University in News on 27 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : कॉलेजों में हुए सीटों से अधिक प्रवेश होंगे निरस्त

परीक्षा विभाग ने सहयुक्त अनुभाग से मांगा पांचों जिलों के कॉलेजों का ब्योरा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में सीटों से अधिक हुए प्रवेश निरस्त होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जरूरी कदम उठाने का काम शुरू कर दिया गया है।

प्रवेश में अधिक पारदर्शी व्यवस्था को अंजाम देने के लिए विवि के परीक्षा विभाग ने सभी संबद्ध जिलों हरदोई, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के सहयुक्त कॉलेजों में पाठ्यक्रमों के सापेक्ष आवंटित सीटों का विवरण देने के लिए सहयुक्त अनुभाग को पत्र लिखा है। प्राप्त सीटों के विवरण से परीक्षा विभाग कॉलेजों की सीटों के विवरण से छात्रों के भरे परीक्षा फॉर्म का सत्यापन करवाएगा। इससे सीटों से अधिक प्रवेश लेने वाले कॉलेजों का आसानी से पता चल जाएगा।

कॉलेजों में जितनी सीटें होंगी, अब उतने ही फॉर्म होंगे वेरीफाई

विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए नवंबर के पहले सप्ताह तक वेबसाइट पर परीक्षा फॉर्म जारी कर दिए जाएंगे। इसके बाद विवि या संबद्ध जिलों के कॉलेजों का कोई भी छात्र फॉर्म भर सकेगा। इसमें उतने ही फॉर्म पोर्टल पर वेरीफाई होंगे, जितनी कॉलेजों में सीटें हैं। सीटों से अधिक प्रवेश निरस्त हो जाएंगे। प्रवेश प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता एवं छात्रों की सहजता के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एलयूआरएन पंजीकरण से प्रवेश लेने के लिए व्यवस्था लागू की गई है। इससे सभी कॉलेजों के छात्रों के प्रवेश से जुड़ा विवरण लविवि के पास होगा। अभी तक विवि के पास कॉलेजों के छात्रों का पूरा रिकॉर्ड नहीं होता था।

तीसरे वर्ष का मेजर विषय ही चौथे साल में पढ़ेंगे छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक में पहुंचने वाले विद्यार्थियों को तीसरे वर्ष में चुने गए प्रथम मेजर विषय को ही अंतिम वर्ष में पढ़ना होगा। उसी विषय में विद्यार्थी को अपना लघु शोध (डिजर्टेशन) भी विभाग में जमा करना होगा। लविवि में सत्र 2024-25 से पहली बार स्नातक चतुर्थ वर्ष की पढ़ाई होगी। इसके लिए छात्र-छात्राओं को पांचवें सेमेस्टर में ही अपने विषय को चुनना होगा। छात्र को यूजी तृतीय वर्ष में दो मेजर विषय और इंटर्नशिप करनी होती है। वहीं चौथे साल में छात्रों को मात्र एक विषय की ही पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद ही वह बैचलर विद रिसर्च की डिग्री प्राप्त करने के पात्र होंगे। बता दें कि बैचलर विद रिसर्च की डिग्री प्राप्त करने पर विद्यार्थियों को सीधे पीएचडी में दाखिला मिल सकेगा। (संवाद)

प्रो. आरपी सिंह को राष्ट्रीय साहित्य रत्न

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में योगदान के लिए राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्हें यह सम्मान इंटरनेशनल एजुकेशनल एंड रिसर्च अकादमी, मुंबई ने दिया है। प्रो. सिंह ने बताया कि उनका बाल साहित्य बच्चों के मनोभाव को समाज, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जोड़ता है। वह बच्चों के लिए हिंदी में भी लगभग तीन दर्जन एकांकी, नाटक और काव्य संग्रह लिख चुके हैं। इसके लिए उन्हें डॉ. रामकुमार वर्मा बाल नाटक पुरस्कार भी मिला है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

प्रो. रमेश शर्मा लविवि के लोकपाल नियुक्त

प्रो. रमेश शर्मा।

लखनऊ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देश पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रो. रमेश शर्मा को लखनऊ विश्वविद्यालय का लोकपाल नियुक्त किया है। प्रो. शर्मा एनईएचयू (नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी) शिलांग में शिक्षक हैं। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी करते हुए इस बात की सूचना दी। जानकारी के मुताबिक, लविवि में पहली बार कोई लोकपाल नियुक्त किया गया है जो विश्वविद्यालय के विभिन्न मामलों पर नजर रखेगा। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू के प्रो. आरपी सिंह को राष्ट्रीय साहित्य रत्न

लखनऊ। एलयू में अंग्रेजी विभाग के प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। प्रो. सिंह को इंटरनेशनल एजुकेशनल एंड रिसर्च अकादमी, मुंबई की ओर से राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि पुरस्कार के पत्र में उनके अंग्रेजी बाल साहित्य के बारे में लिखा गया है। उनका बाल साहित्य बाल मनोभाव को एक ओर समाज, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जोड़ता है।

एलएलएम समेत 15 रिजल्ट जारी

लखनऊ। एलयू ने सम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत 15 पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी किए हैं। परीक्षार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। एलएलएम, एमए उर्दू, ज्योतिर्विज्ञान, एमएससी रसायन विज्ञान के दूसरे सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित कर दिया।

i-NEXT PAGE 4

रवींद्र प्रताप को बाल साहित्य पुरस्कार

LUCKNOW (26 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में उनके विशिष्ट योगदान के लिए इंटरनेशनल एजुकेशनल एंड रिसर्च एकेडमी ने राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार प्रदान किया है. उनके बाल साहित्य में एक ओर जहां समाज पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से जोड़ता है, वहीं दूसरी ओर मानव मूल्यों और जीवन के प्रति एक असाधारण ऊर्जा और जोश दिखाता है. प्रो रवींद्र प्रताप सिंह ने मुख्य धारा में लेखन के साथ ही साथ अंग्रेजी और हिंदी में बच्चों के लिए कविता और नाटक का सृजन किया है. इकोलॉग, व्हेन ब्रांचो फ्लाईज उनके बाल नाटकों, क्लाउड मून एंड ए लिटिल गर्ल, एडवेंचर ऑफ फनी एंड बना और द वर्ल्ड ऑफ मावी उनके अंग्रेजी बाल कविता संग्रह हैं. उन्होंने बच्चों के लिए हिंदी में भी लगभग 3 दर्जन एकांकी, नाटक और काव्य संग्रह लिखे हैं, जिनके लिए उन्हें डॉ. राम कुमार वर्मा बाल नाटक पुरस्कार प्राप्त है.

प्रो. रमेश शर्मा लोकपाल बने : लवि ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश पर केंद्रीय विश्वविद्यालय शिलांग से सेवानिवृत्त प्रो.रमेश शर्मा को विश्वविद्यालय का लोकपाल नामित किया है। अगले आदेश तक वह इस पद पर बने रहेंगे।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि के प्रो. रवींद्र को अंग्रेजी बाल साहित्य के लिए मिला पुरस्कार

प्रो. रवींद्र को मिला पुरस्कार ● लवि

जासं, लखनऊ : लवि में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में उनके विशिष्ट योगदान के लिए इंटरनेशनल एजुकेशनल एंड रिसर्च अकादमी मुंबई ने राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार दिया है।

पुरस्कार के पत्र में उनके अंग्रेजी बाल साहित्य का उल्लेख करते हुए लिखा गया है कि उनका बाल साहित्य बाल मनोभाव को जहां एक ओर समाज पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से जोड़ता है, वहीं मानव मूल्यों और जीवन के प्रति एक असाधारण ऊर्जा और जोश प्रदर्शित करता है। प्रो. रवीन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्य धारा में लेखन के साथ ही साथ अंग्रेजी और हिंदी में बच्चों के लिए कविता और नाटक का सृजन किया है। इकोलाग, व्हेन ब्रांचो फ्लाइज उनके बाल नाटकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी ओर क्लाउड मून एंड ए लिटिल गर्ल, एडवेंचर आफ फनी एंड बना और द वर्ल्ड आफ मावी उनके अंग्रेजी बाल कविता संग्रह हैं। उन्होंने बच्चों के लिए हिंदी में भी लगभग तीन दर्जन एकांकी, नाटक और काव्य संग्रह लिखे हैं, जिनके लिए उन्हें डा. राम कुमार वर्मा बाल नाटक पुरस्कार मिल चुका है।

रिजल्ट घोषित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कालेजों में संचालित कई पाठ्यक्रमों में सम सेमेस्टर की परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। एम.ए. लिंग्वेस्टिक, एलएल.एम., बी.पी.ए वोकल, कथक, तबला, बी.एफ.ए टेक्सटाइल डिजाइन, एम.एससी. बायोटेक्नोलाजी, एम.एससी. जूलोजी, एम.ए उर्दू, एम.एससी. केमिस्ट्री, एम.ए ज्योतिविज्ञान, बी.वी.ए. एप्लाइड आर्ट, पेंटिंग आदि पाठ्यक्रमों के रिजल्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं। (जासं)

समिति गठित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान के लिए छात्र समस्या समाधान समिति का गठन किया है। इसमें छात्र कल्याण अधिष्ठाता की अध्यक्षता में प्रो. आरपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी, प्राक्टर, डीन रिसर्च, प्रवेश समन्वयक, चीफ प्रोवोस्ट, डा. प्रदीप कुमार, रोली यादव को नामित किया गया है। (जासं)

PIONEER PAGE 3

एलयूआरएन बतायेगा, स्कॉलरशिप के लिए अर्ह हैं या नहीं

● स्कॉलरशिप को लेकर समाज कल्याण विभाग ने किया बदलाव, अब शिक्षण संस्थानों पर होगी वेरीफिकेशन की जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्कॉलरशिप के लिए आवेदन को लेकर समाजकल्याण विभाग की तरफ से किये गये बदलाव का खामियाजा अब शिक्षण संस्थानों को भरना होगा। नये नियम के तहत अब शिक्षण संस्थानों को वेरीफिकेशन के जरिए बताना होगा कि आवेदक बोनाफाइड स्टूडेंट है या नहीं। ऐसे में इस सत्र से लखनऊ विश्वविद्यालय एलयूआरएन (लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर) के जरिए आवेदन का वेरीफिकेशन करने की तैयारी में है। अभी तक समाज कल्याण विभाग की तरफ से दी जाने वाली स्कॉलरशिप को लेकर आवेदन का वेरीफिकेशन समाज कल्याण अधिकारी के स्तर से होता था। वेरीफिकेशन के बाद ही छात्रों की स्कॉलरशिप आती थी। लेकिन इस सत्र से शुरू हुई नई व्यवस्था के तहत अब वेरीफिकेशन की जिम्मेदारी शिक्षण संस्थानों पर डाल दी गयी है। जिला समाज कल्याण अधिकारी की भूमिका महज अग्रसारित अधिकारी के रूप में रह गयी है। इस नई व्यवस्था से लखनऊ विश्वविद्यालय की मुश्किलें बढ़ने वाली है क्योंकि विवि से वर्तमान में तकरीबन 545 कालेज सम्बद्ध हैं और इनमें तकरीबन 3.54 लाख स्टूडेंट्स हैं।

एलयूआरएन से होगा वेरीफिकेशन: विवि के अधिकारियों की माने तो वेरीफिकेशन का कार्य एलयूआरएन के जरिए किया जायेगा। बता दें कि विवि की तरफ से इसी सत्र से एलयूआरएन की व्यवस्था शुरू की गयी है। इसके अंतर्गत दाखिले के लिए छात्रों को आवेदन करने से पूर्व विवि की वेबसाइट पर जाकर एलयूआरएन नंबर जेनरेट करना होता है। जिसका जिक्र उन्हें अपने आवेदन में करना होता है। इसके एवज में प्रति छात्र 100 रुपए शुल्क निर्धारित है। एलयूआरएन शुरू करने के पीछे विवि की दलील है कि इसके जरिए कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों का डेटा उनके पास होगा। उन्हें इस बात की जानकारी रहेगी कि कौन से छात्र ने किस कालेज में एडमिशन लिया है। फिलहाल, वेरीफिकेशन को लेकर उनका कहना है कि स्कॉलरशिप के लिए हार्ड कॉपी जमा करते समय छात्रों को उस पर अपना एलयूआरएन नंबर देना होगा। उस नंबर के जरिए स्टूडेंट का वेरीफिकेशन कर आवेदन आगे के लिए भेज दिया जायेगा।

एलयूआरएन नंबर से परीक्षा फार्म भरने में होगी आसानी: लविवि में इस सत्र में एडमिशन ले चुके नये छात्रों के लिए एलयूआरएन काफी मददगार साबित होगा। परीक्षा फार्म भरते समय छात्र जैसे ही अपना एलयूआरएन नंबर डालेंगे, उनका पूरा विवरण ऑटो अपडेट की तर्ज पर अपने आप भर जायेगा। जिससे छात्रों को अतिरिक्त मेहनत करने की जहमत नहीं उठानी पड़ेगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सम्मान | मुंबई इण्टरनेशनल एजुकेशनल एण्ड रिसर्च अकादमी ने किया पुरस्कृत

प्रोफेसर आरपी सिंह को मिला राष्ट्रीय साहित्य रत्न

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पुरस्कार ग्रहण करते रवीन्द्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर पी सिंह राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार से नवाजे गए हैं। इन्होंने बाल साहित्य का उल्लेख कर पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर अपना लेख प्रस्तुत किया है। जिसको लेकर इण्टरनेशनल एजुकेशन एण्ड रिसर्च अकादमी ने इन्हें मुंबई में पुरस्कृत किया है।

इण्टरनेशनल एजुकेशन एण्ड रिसर्च अकादमी मुंबई में बीते दिन एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रवीन्द्र प्रताप सिंह ने बाल साहित्य का लेख सम्मिलित हुआ। लेख में बाल साहित्य मनोभाव को जहां एक ओर समाज पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से जोड़ा गया। वहीं दूसरी ओर मानव मूल्यों और जीवन के प्रति प्रोत्साहित करने का कार्य का भी उल्लेख था। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य धारा में लेखन के साथ - साथ अंग्रेजी और हिंदी में बच्चों के लिए कविता और नाटक का सृजन भी किया गया। इकोलॉग, व्हेन ब्रांचो फ्लाइज का प्रतिनिधित्व भी सम्मिलित हुआ। इसी के साथ क्लाउड मून एण्ड लिटिल गर्ल, एडवेंचर ऑफ फनी एण्ड बना और द वर्ल्ड ऑफ मावी बाल कविता संग्रह का भी प्रस्तुतीकरण हुआ। अकादमी ने प्रोफेसर रवीन्द्र प्रताप सिंह को राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार से पुरस्कृत किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर बताते हैं कि इससे पहले भी उन्होंने तीन दर्जन से अधिक एकांकी, नाटक एवं काव्य संग्रह लिखे हैं। जिसके लिए उन्हें डॉ. राम कुमार वर्मा बाल नाटक पुरस्कार प्राप्त है।

प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि

- क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन आज
- तैयारी के दौरान विधि छात्रों के साथ कोआर्डिनेटर भी रहे मौजूद

विवि कैम्पस में लगा पोस्टर।

अमृत विचार : लखनऊ विवि में आयोजित होने वाली कॉलेजिएट क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। दिन भर चली व्यवस्थाओं में कैम्पस में कोआर्डिनेटर के अलावा अध्ययनरत विधि छात्र भी शामिल रहे।

शुक्रवार से लखनऊ विवि में कॉलेजिएट क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। इसमें 60 टीमें शामिल हो रही हैं। विधि विभाग के अध्ययनरत छात्रों को वादकारियों से बेहतर सामन्जय स्थापित करने के तमाम सी जानकारियां साझा की जाएगी। इसी को लेकर एक दिन पहले तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। कैम्पस के भीतर जागरूकता भरे पोस्टर लगाए गए। एरिया ड्राफ्टिंग एण्ड लिटरेरी सोसाइटी के कन्विनर अंकित राय विधि विभाग के छात्रों को एकत्रित करके जागरूक किया ताकि अलग अलग स्थानों से आ रही टीमों में सामन्जस्य स्थापित किया जा सके।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को स्टूडेण्ड डीन इन्द्र दमन तिवारी अंतिम रूप दिया। दिन भर चली व्यवस्थाओं का अवलोकन अधिष्ठाता प्रोफेसर बंसीधर सिंह ने किया। इनके साथ टीचर कोआर्डिनेटर हरीशचन्द्र राम और प्रोफेसर आलोक यादव ने उचित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया।

सोसाइटी के सदस्य हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टर को लगवाने का कार्य किया। इस दौरान विधि छात्र अंजनय, अंशुमान, वंदिता, नीलांश आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त प्रोफेसर नियुक्त हुए लोकपाल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुल सचिव ने सेवानिवृत्त प्रोफेसर को लोकपाल नियुक्त किया है। कुल सचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा की गई नियुक्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के आधा पर की है। कुल सचिव द्वारा जारी किये गए आदेशों के क्रम में सेवानिवृत्त प्रोफेसर रमेश शर्मा को अग्रिम आदेशों तक विश्वविद्यालय का लोकपाल नामित किया है।

परास्नातक परीक्षाओं के परिणाम घोषित

लखनऊ : लखनऊ विवि एवं सहयुक्त महाविद्यालय के छात्रों के परीक्षाफल क्रमवार घोषित किये जा रहे हैं। गुरुवार को घोषित परीक्षाफल में परास्नातक परीक्षाफल सम्मिलित हैं। सम सेमेस्टर परीक्षाफल में एमए, एलएलएम के अलावा बीपीए कोर्स की कथक, तबला, वोकल शामिल हैं। वहीं बीएफए, एमए और एमएससी कोर्स के परीक्षाफल भी घोषित किये गए। परीक्षा नियंत्रक का कहना है कि परीक्षाओं का विस्तृत ब्योरा विश्वविद्यालय की साइट पर भी देखा जा सकता है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

प्रो. रवींद्र प्रताप को मिला अंग्रेजी बाल साहित्य सम्मान

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के प्रो.रवींद्र प्रताप सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में उनके विशिष्ट योगदान के लिए 21 अक्टूबर को इंटरनेशनल एजुकेशनल एंड रिसर्च अकादमी मुंबई ने राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। पुरस्कार के पत्र में उनके अंग्रेजी बाल साहित्य का उल्लेख करते हुए उद्धृत किया गया है कि उनका बाल साहित्य बाल मनोभाव को जहां एक ओर समाज पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से जोड़ता है, वहीं दूसरी ओर मानव मूल्यों और जीवन के प्रति एक असाधारण ऊर्जा और जोश भी प्रदर्शित करता है। प्रो.रवीन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्यधारा में लेखन के साथ ही अंग्रेजी और हिंदी में बच्चों के लिए कविता और नाटक का सृजन किया है। इकोलॉग, व्हेन ब्रांचो फ्लाईज उनके बाल नाटकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, दूसरी ओर क्लाउड मून एंड ए लिटिल गर्ल, एडवेंचर ऑफ फनी एंड बना और द वर्ल्ड ऑफ मावी उनके अंग्रेजी बाल कविता संग्रह हैं। उन्होंने बच्चों के लिए हिंदी में भी करीब तीन दर्जन एकांकी, नाटक और काव्य संग्रह लिखे हैं, जिनके लिए उन्हें डॉ.राम कुमार वर्मा बाल नाटक पुरस्कार प्राप्त है।

VoL PAGE 6

लविवि के प्रो. आरपी सिंह अंग्रेजी बाल साहित्य के लिए पुरस्कृत

लखनऊ। लविवि में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में उनके विशिष्ट योगदान के लिए विगत दिनों (21 अक्टूबर 2023) इंटरनेशनल एजुकेशनल एंड रिसर्च अकादमी

मुंबई ने राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। पुरस्कार के पत्र में उनके अंग्रेजी बाल साहित्य का उल्लेख करते हुए उद्धृत किया गया है कि उनका बाल साहित्य बाल मनोभाव को जहां एक ओर समाज पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से जोड़ता है वहीं दूसरी ओर मानव मूल्यों और जीवन के प्रति एक असाधारण ऊर्जा और जोश प्रदर्शित करता है। प्रो रवींद्र प्रताप सिंह ने मुख्य धारा में लेखन के साथ ही साथ अंग्रेजी और हिंदी में बच्चों के लिए कविता और नाटक का सृजन किया है। इकोलॉग, व्हेन ब्रांचो फ्लाइज उनके बाल नाटकों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

NBT PAGE 4

प्रो. आरपी सिंह को राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। इंटरनेशनल एजुकेशनल ऐंड रिसर्च अकादमी मुंबई की तरफ से उन्हें राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार दिया गया है। प्रो. आरपी सिंह ने मुख्य धारा के साथ ही अंग्रेजी और हिंदी में बच्चों के लिए कविताएं लिखी हैं।

LU: प्रो. संगीता बनीं एसजीआरसी की अध्यक्ष

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में यूजीसी के निर्देशानुसार स्टूडेंट्स ग्रीवांस रिड्रेसल कमिटी (एसजीआरसी) का गठन कर दिया गया है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, वित्त नियंत्रक, मुख्य कुलानुशासक, अधिष्ठाता शोध, प्रवेश समन्वयक, मुख्य अभिरक्षक, वनस्पति विभाग के शिक्षक और एमएससी सांख्यिकी तीसरे सेमेस्टर की छात्रा रोली यादव को समिति में शामिल किया गया है।

रिटायर्ड प्रो. रमेश शर्मा बने लोकपाल

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग से सेवानिवृत्त प्रो. रमेश शर्मा को लोकपाल नियुक्त किया गया है। इस संबंध में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आदेश जारी कर दिए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार लोकपाल की नियुक्ति हुई है।

LU: समसेमेस्टर के 15 कोर्सों के रिजल्ट जारी

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू ने 15 कोर्सों के रिजल्ट जारी किए हैं। विद्यार्थी किसी प्रकार की समस्या होने पर परीक्षा नियंत्रक से संपर्क कर सकते हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार वेबसाइट पर रिजल्ट अपलोड कर दिए गए हैं।

रद होंगे तय से ज्यादा सीटों पर हुए प्रवेशः निर्धारित सीटों से अधिक प्रवेश लेने वाले कॉलेजों पर एलयू की नजर टेढ़ी हो गई है। विवि ने सभी कॉलेजों से कोर्सवार हुए प्रवेश का डेटा मांगा है। इसमें अधिक निर्धारित संख्या से अधिक प्रवेश मिलने पर रद किए जाएंगे। एलयू के परीक्षा विभाग ने संबद्धता अनुभाग से कॉलेजों से सीटों का ब्योरा मांगा है।

LOKSATYA PAGE 3

प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह अंग्रेजी बाल साहित्य के लिए पुरस्कृत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर रवींद्र प्रताप सिंह को अंग्रेजी बाल साहित्य में उनके विशिष्ट योगदान के लिए विगत दिनों (21 अक्टूबर 2023) इंटरनेशनल एजुकेशनल एंड रिसर्च अकादमी मुंबई ने राष्ट्रीय साहित्य रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। पुरस्कार के पत्र में उनके अंग्रेजी बाल साहित्य का उल्लेख करते हुए उद्धृत किया गया है कि उनका बाल साहित्य बाल मनोभाव को जहां एक ओर समाज पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से जोड़ता है वहीं दूसरी ओर मानव मूल्यों और जीवन के प्रति एक असाधारण ऊर्जा और जोश प्रदर्शित करता है। प्रो. रवीन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्य धारा में लेखन के साथ ही साथ अंग्रेजी और हिंदी में बच्चों के लिए कविता और नाटक का सृजन किया है। लोकसत्य